एलऐंडटी खरीदेगी मॉर्गन का संपत्ति कारोबार

निशांत वासुदेवन
मुंबई, 20 जनवरी

एलऐंडटी फाइनैंस भारत में मॉर्गन स्टैनली का वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार खरीदने के लिए बातचीत कर रही है, जो काफी आगे बढ़ चुकी है। प्रस्तावित अधिग्रहण से एलऐंडटी फाइनैंस को उस वेल्थ मैनेजमेंट उद्योग में पैठ बढ़ाने का मौका मिल जाएगा, जो देश में अभी शुरुआती दौर में है। एलऐंडटी फाइनैंस ने करीब साल भर पहले स्विट्जरलैंड के निजी बैंक ईएफजी से मनोज शिनॉय और 12 अधिकारियों को उस वक्त अपने साथ लिया था, जब बैंक बंद हुआ था। मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि यह सौदा महीने भर में पूरा हो सकता है।

एलऐंडटी फाइनैंस के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी बाजार की अटकलों पर टिप्पणी नहीं करती। मॉर्गन स्टैनली के प्रवक्ता ने भी इस बारे में कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। एलऐंडटी फाइनैंस अपना कारोबार बढ़ाने के लिए अधिग्रहण पर खासा जोर दे रही है। पिछले साल उसने म्युचुअल फंड, आवासीय ऋण और वाहन ऋण के क्षेत्र में तीन कंपनियों का अधिग्रहण किया।

खबरें हैं कि टाटा म्युचुअल फंड से निकलकर पिछले साल ही एलऐंडटी फाइनैंस में आने वाले वेद प्रकाश चतुर्वेदी कंपनी का वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार संभालेंगे। चतुर्वेदी के मातहत काम करने वाले शिनॉय और दूसरे अधिकारियों के बारे में भी कहा जा रहा है कि वह अपने साथ धनाढ्य निवेशकों की 20 से 25 करोड़ डॉलर की परिसंपत्तियां एलऐंडटी कैपिटल में ले आए। एलऐंडटी कैपिटल ही एलऐंडटी फाइनैंस की वह इकाई है, जो वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार चलाएगी।

यह तो पता नहीं चल सका कि मॉर्गन स्टैनली की भारतीय वेल्थ मैनेजमेंट इकाई कितनी रकम संभाल रही है, लेकिन उद्योग से जुड़े तीन अधिकारियों का कहना है कि उसके पास 2,000 से 3,000 करोड़ रुपये की रकम होगी। मॉर्गन स्टैनली ने करीब 5 साल पहले भारत में वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार शुरू किया था। कंपनी के पूंजी बाजार, फिक्स्ड आय, ट्रेडिंग, शोध और परिसंपत्ति प्रबंधन और निजी-पूंजी प्रबंधन कारोबार में करीब 400 लोग काम करते हैं।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि एलऐंडटी फाइनैंस कितनी कीमत देकर मॉर्गन स्टैनली का कारोबार खरीदेगी। यह भी नहीं पता है कि अधिग्रहण के बाद वह मॉर्गन स्टैनली के अधिकारियों को भी अपने साथ लेगी या नहीं। लेकिन वेल्थ मैनेजमेंट उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि मॉर्गन स्टैनली के कर्मचारियों को अपने साथ रखना एलऐंडटी के लिए अनिवार्य होगा क्योंकि ये कर्मचारी बतौर रिलेशनशिप मैनेजर मॉर्गन स्टैनली के वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार से काफी संपत्ति अपने साथ ला सकते हैं।

एक निजी बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'निजी बैंकिंग इकाई के अधिग्रहण के समय अधिग्रहण करने वाली कंपनी का मकसद यह सुनिश्चित करना भी होता है कि संबंधित इकाई की 60 से 70 फीसदी परिसंपत्ति भी उसके पास आ जाए। ऐसे में मॉर्गन स्टैनली के अधिकारी अगर अधिक वेतन पाते हैं तब भी एलऐंडटी के लिए उन्हें अपने साथ बनाए रखना महत्त्वपूर्ण हो सकता है।'

विदेशी निवेश बैंकों समेत कई कंपनियां हाल के दिनों में भारत और एशिया में अपना वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार बेच रही हैं या बंद कर रही हैं। इन कंपनियों का मानना है कि वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार उनके उम्मीद के हिसाब से विकास नहीं कर रहा है। दरअसल ज्यादातर निजी बैंक भारत में इस उम्मीद से आए थे कि वे यहां के तेजी से उभरते धनाढ्य लोगों को सेवाएं मुहैया करा सालाना 20 फीसदी की दर से विकास करने में सक्षम होंगे लेकिन वेल्थ मैनेजमेंट का कारोबार उनकी उम्मीद के हिसाब से विकास नहीं कर पा रहा है।

सौदे की बात

- अगले एक माह में हो सकती है सौदे की घोषणा
- सौदे की रकम और ढांचे के बारे में अभी नहीं हुआ खुलासा
- सौदे के बाद संपत्ति प्रबंधन कारोबार में बढ़ेगी एलऐंडटी की पैठ
- मॉर्गन स्टैनली ने करीब 5 साल पहले शुरू किया था भारत में संपत्ति प्रबंधन का कारोबार